**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**06.03.2020 के**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 1882 का उत्‍तर**

**कर्नाटक में नई रेल लाइनों की स्थिति**

**1882. श्री बी॰ के॰ हरिप्रसादः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या कडुर-चिक्कामगलुरू-सकलेशपुर परियोजना की बेलूर-सकलेशपुर खंड की अनुमोदित परियोजना मंत्रालय के पास लंबित है;

(ख) क्या कर्नाटक सरकार भी नई रेल लाइन के चिक्कामगलुरू-बेलूर खण्ड के लिए संशोधित अनुमान की प्रतीक्षा कर रही है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

**उत्‍तर**

**रेल और वाणिज्‍य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)**

(क): बेलूर-सकलेशपुर नई लाइन के कार्य को कदूर-चिकमंगलूर-सकलेशपुर नई लाइन परियोजना (93 किमी) के भाग के रूप में शुरू किया गया था। इस परियोजना पर कदूर-चिगमंगलूर खंड (46 किमी) को यातायात के लिए खोल दिया गया है। शेष भाग अर्थात् चिकमंगलूर-सकलेशपुर (47 किमी) के कार्य के लिए कर्नाटक सरकार 2013 में नि:शुल्‍क भूमि मुहैया कराने और निर्माण लागत की 50% भागीदारी करने के लिए सहमत हो गई थी।

बहरहाल, कर्नाटक सरकार के अनुरोध पर बेलूर-सकलेशपुर (20 किमी) खंड पर कार्य को रोक दिया गया है और इसके बदले मार्च, 2019 में 462.93 करोड़ रु. की लागत वाली हासन-बेलूर (32 किमी) नई लाइन परियोजना को स्‍वीकृत किया गया है।

(ख) और (ग): चूंकि, कर्नाटक सरकार के अनुरोध पर, मूल स्‍वीकृत कार्य के दायरे को संशोधित किया गया है, इसलिए, क्षेत्रीय रेलवे ने स्‍वीकृति के लिए संशोधित अनुमान को तैयार करने का कार्य शुरू किया है।

\*\*\*\*\*